रणजीत टाइम्स

RNI - NO. MPHIN/2015/64585

वर्ष- 11 अंक - 45 साप्ताहिक अख़बार

इंदौर प्रति मंगलवार , 17 दिसम्बर से 23 दिम्बर 2024 पृष्ठ - 8 मूल्य - 2 रू.

'घेरने' वाले खुद 'घेर' लिए गए

पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेड्स लगाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने ही नहीं दिया

भीड़ जुटाकर 'शक्ति प्रदर्शन' तो किया पर, विधानसभा नहीं 'घेर' पाए कांग्रेसी

मंच से ही जीतू, सिंघार व कमलनाथ सहित कांग्रेस नेताओं ने दी गिरफ्तारी

कमलनाथ, सिंघार और पटवारी सहित कांग्रेस के सभी दिग्गज नेता एक साथ मंच पर नजर आए। इस दौरान पुलिसकर्मियों से कुछ कार्यकर्ताओं की नोक-झोंक देखने को मिली।

ट्रैक्टर रैली के जरिए विधानसभा जाना चाह रहे थे

पुलिस ने उन्हें शिवाजी नगर चौराहे के पास ही रोक लिया

विधानसभा घेराव के जरिए चिंटू चौक्से राजु भदौरीया ने एकजुट और कार्यकर्ताओं के बीच अपनी ताकत के साथ प्रदर्शन किया।

रणजीत टाइम्स प्रतिनिधि

सोमवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने विधानसभा के घेराव का ऐलान किया था। इसके लिए बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता राजधानी के जवाहर चौक में एकत्रित हुए।

कांग्रेस नेताओं ने यहां सभा आयोजित की। हालांकि, कांग्रेसी यहां से विधानसभा घेराव के लिए नहीं जा सके। सभा के बाद कांग्रेस नेताओं ने मंच पर ही गिरफ्तारी दी। पुलिस ने

कमलनाथ बोले-अपना भी टाइम आएगा

सबसे पहले पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता निराश न हो अपना भी टाइम आएगा। उन्होंने कहा कि बड़े दुख के साथ मुझे

सज्जन बोले-बच्चों को बड़ी गुल्लक दूंगा

पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा के मनोज परमार और उनकी पत्नी नेहा ने भाजपा, ईडी के दबाव में आत्महत्या कर ली। मैं अपनी पार्टी के तमाम साथियों से मदद लेकर एक बड़ी

विफल रहा कांग्रेस का विधानसभा घेराव : वीडी

कांग्रेस के विधानसभा घेराव पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस का यह असफल प्रदर्शन न सिर्फ उसके नकारा नेतृत्व को प्रदर्शित

मप्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पहले ही दिन सोमवार को प्रदेश भर में खाद की कमी से बोवनी नहीं हो पाने का मुद्दा कांग्रेस ने शून्यकाल में उठाया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने स्पीकर के चर्चा करा लेने की बात पर कहा कि सदन में चर्चा तो होती रहेगी पर किसानों को खाद कब मिलेगी सरकार को पहले यह तय करना होगा। सिंघार ने पूछा कि खाद आखिर कब मिलेगी? यह तो बताया जाए। बाद में हालांकि कांग्रेस व भाजपा सदस्यों के बीच हल्की नोक-झोंक शुरू हो गई। कांग्रेस सदस्यों ने वॉकआउट कर दिया। नेता प्रतिपक्ष सिंघार के

- **विधानसभा परिसर में पहुंचकर कांग्रेसी सदस्यों ने नारेबाजी करते हुए गांधी प्रतिमा के नीचे धरना दिया**

प्रश्नकाल ▸▸ शेष पेज 6 पर ▸▸ पढ़ें पेज 4 भी

ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण देकर बनाया जाएगा आत्मनिर्भर

रणजीत टाइम्स प्रतिनिधि

महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए ग्राम पंचायत अरेड़ी में स्वावलंबी भारत अभियान और लघु उद्योग भारती महिला इकाई ने सोमवार को कौशल विकास केंद्र की शुरुआत की।

लघु उद्योग भारती की प्रदेश महिला प्रभारी एवं स्वावलंबी भारत अभियान में मध्य भारत प्रांत की सह समन्वयक प्रतिभा शुक्ला, उद्योग भारती की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं राष्ट्रीय महिला प्रभारी उमा शर्मा, स्वदेशी

जागरण मंच की मध्य भारत प्रांत की महिला प्रभारी सीमा भारद्वाज और स्वदेशी जागरण मंच प्रमुख हेमंत रावत ने दीप प्रज्जवलित कर केंद्र का उद्घाटन किया।

स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग का दिलाया संकल्प

कार्यक्रम में ग्रापं की महिलाओं को स्वदेशी का महत्व बताया गया। उन्हें स्वावलंबी बनाने पर भी चर्चा हुई। इसके बाद महिलाओं को स्वदेशी वस्तुओं का ही उपयोग करने का संकल्प दिलाकर स्वदेशी पत्रक बांटे गए। इस अवसर पर सरपंच कलाबाई, उप सरपंच जीवन सिंह यादव, मंजू राजोरिया, किरण पाल, रेखा लोधी, मधु यादव, प्रशांत राजोरिया, ज्वाला सिंह यादव एवं सैकड़ों महिलाओं ने ट्रेनिंग लेकर रोजगार कर स्वावलंबी बनने का निर्णय लिया। प्रशिक्षण की जिम्मेदारी मंजू राजोरिया को सौंपी गई है।

स्वच्छ सिंहासा स्वस्थ सिंहासा

दिनांक 14 दिसंबर को महाराष्ट्र से आई टीम ने ग्राम पंचायत पंचायत सिंहासा में सरपंच जी (श्री नारायण सिंह चौहान),की उपस्थिति में MRF प्लांट बांक का विजिट किया जिसमे जनपद पंचायत से ब्लॉक कोडिनेटर SBM जनपद इंदौर से धर्मजीत मैडम,ADO संदीप जी निगम, जनपद पंचायत से उपयंत्री सिद्धार्थ जी जैन ,पंचायत सचिव प्रहलाद नील की उपस्थिति हुए।

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अख़बार

एयरपोर्ट की दीवार के पाश ही काट दी कालोनी भू माफिया आरिफ अली शाह ने

न ही हे कोई अनुमति... प्रशासन क्यों हे मोन डूबत की हे भूमि

रणजीत टाइम्स

आदित्य शर्मा

भूमाफिया बहुत ज्यादा ही सक्रिय हे प्रशासन की करवाई के बाद भी मल्हारगंज तहसील के धार रोड स्थित सिरपुर के पास एक कालोनी का निर्माण किया गया

इंदौर। एयरपोर्ट की दीवारों से सटी हुई हे कॉलोनी पूरी डूबद छेत्र में आती हे उसके बावजूद कालोनी में अवैध निर्माण चालू हे एवं नवीन भवन का निर्माण हो रहा वही इंदौर कलेक्टर द्वारा इन कालोनी पे सख्त से सख्त

कारवाही के आदेश हे परन्तु अवैध निर्माण जोरो शोरो से चालू हे एवं गरीब जनता को सस्ते प्लॉटों का लालच देकर जनता को लुटा जा रहा हे वही इंदौर कलेक्टर द्वारा इन कालोनी पर निर्माण की परमिशन पर रोक लगा दी हे परन्तु निर्माण हो रहा हे और एवं अब भूमाफियों को प्रशासन का भी कोई डर नहीं लग रहा हे ..!

सर्वधर्म संस्था के अध्यक्ष एवं सभी समाज से स्नेह रखने वाले बेग

रणजीत टाइम्स प्रतिनिधि

इंदौर। सहर की जानी मानी हस्ती एवं सर्वधर्म संस्था के अध्यक्ष मंजूर बेग एक इंदौर का चर्चित चेहरा हे जो आए दिन किसी भी प्रकार के मुद्दे एवं जनता की सेवा के लिए चर्चा में बने रहते हे किसी भी धर्म के कार्य में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते हे एवं सभी धर्मों से स्नेह रखते हे एवं मंजूर बेग को आप किसी भी प्रकार के जनता की भलाई के कार्य में देख सकते हो जैसे ठंड के समय में गरीब एवं अनाथ लोगों के लिए कम्बल वितरण करना एवं वही धार्मिक कार्य जैसे मोहर्रम में निकलने वाले ताजियों का स्वागत करना

एवं इंदौर से निकलने वाली कावड़ का भी स्वागत करना एक अलग ही मिसाल पेश करता हे परन्तु अभी कुछ दिनों से कई प्रकार के अपवाद लोगों द्वारा मंजूर बेग की छवि धूमिल करने की कोशिश की जा रही हे जिसका सामना मंजूर बेग द्वारा किया जा रहा हे एवं कहा जा रहा हे यदि में इस प्रकार की गतिविधि में संलिप्त हु तो सबूत बताए जाए वहीं बेग द्वारा इंदौर सहर के कही धार्मिक एवं राष्ट्रीय कार्य में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया जाता हे जैसे राष्ट्रीय कार्य गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा जैसे राष्ट्रीय कार्य में भी मंजूर बेग द्वारा बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया जाता हे।

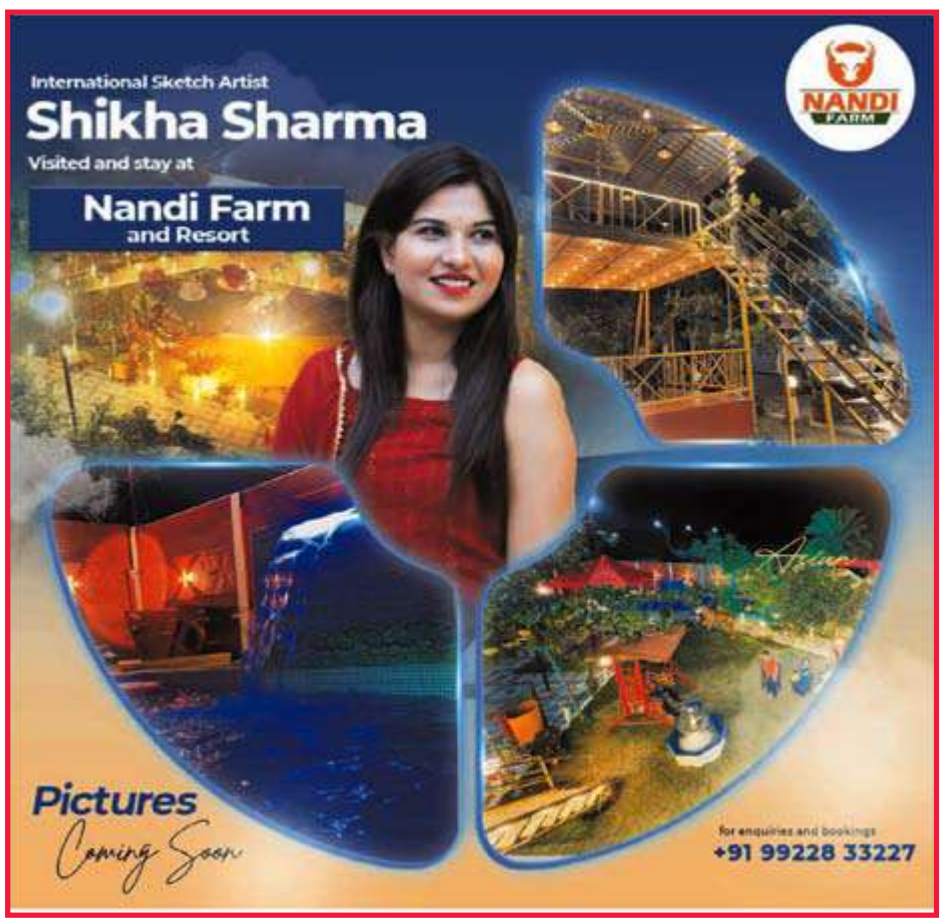

बोलिया छत्री में गूंजा ॐ नम : शिवाय

इंदौर।

शिव शक्ति है, शिव भक्ति है और शिव संसार का सार है। शिव विघ्नों के हर्ता और जगत कल्याण के देवता हैं। शिव से ही सृष्टि चलायमान है और शिव ही ब्रह्माण्ड की बुराइयों का संहार करते हैं। शिव आराधना के इसी क्रम में देव से महादेव संस्था ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 3 में स्थित बोलिया सरकार छत्री परिसर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में गुंजायमान हुआ ओम नम: शिवाय का जाप।

पंचाक्षरी महामंत्र ओम नम: शिवाय के जाप के लिए एकत्र हुए जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने कहा कि शिव मंत्रों के जाप से दैहिक, दैविक और भौतिक समस्त प्रकार के कष्टों का निवारण होता है और सुखों की प्राप्ति होती है। संस्था विगत 10 वर्षों से ओम नम: शिवाय का जाप करवा रही है, जिसमें शामिल होकर धर्मप्रेमी जनता अपने जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाने का प्रयास कर रही है, जिसमें वे सफल भी हुए हैं। इस तरह के आयोजन से जनमानस के मन-मस्तिष्क में भक्ति का संचार होता है और जीवन सकारात्मकता की ओर अग्रसर होता है। ओम नम: शिवाय के जाप से पहले आकाश विजयवर्गीय ने प्राचीन शिव मंदिर में शिव आराधना की। इस अवसर पर मंदिर को भव्य, सुगंधित फूलों से सजाया गया था और आकर्षक सज्जा की गई थी। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक गोलू शुक्ला, क्षेत्र के सभी पार्षद एवं मंडल अध्यक्ष, देव से महादेव संस्था के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, मातृ शक्तियां संग बड़ी संख्या में शिवभक्त उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक गन्नू महाराज की भजन संध्या का आयोजन भी किया गया।

प्राचीन शिव मंदिर आम लोगों के लिए हम सब के प्रयासों से खोला गया

विजयवर्गीय ने बताया कि बोलिया सरकार की छत्री शहर की धरोहर है और पुरातत्व विभाग के अधीन है। पहले यहां पर आम लोगों को दर्शन-पूजन की अनुमति नहीं थी। जब में विधानसभा 3 का विधायक था, उस वक्त मुझे इस बात की जानकारी लगी तो मैंने इस संबंध में पुरातत्व विभाग से बात की और हमारे भरसक प्रयासों से बरसों बाद इस प्राचीन मंदिर में लोगों को दर्शन-पूजन की अनुमति मिली। उस समय भी हम इस छत्री के परिसर में आयोजन करना चाहते थे। उस वक्त पुरातत्व विभाग ने बताया था कि इसके लिए दिल्ली से अनुमति लेना पड़ती है। जटिल प्रक्रिया की वजह से उस वक्त यह संभव नहीं हो पाया, लेकिन आज कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लाई और इस परिसर में आयोजन हो रहा है।

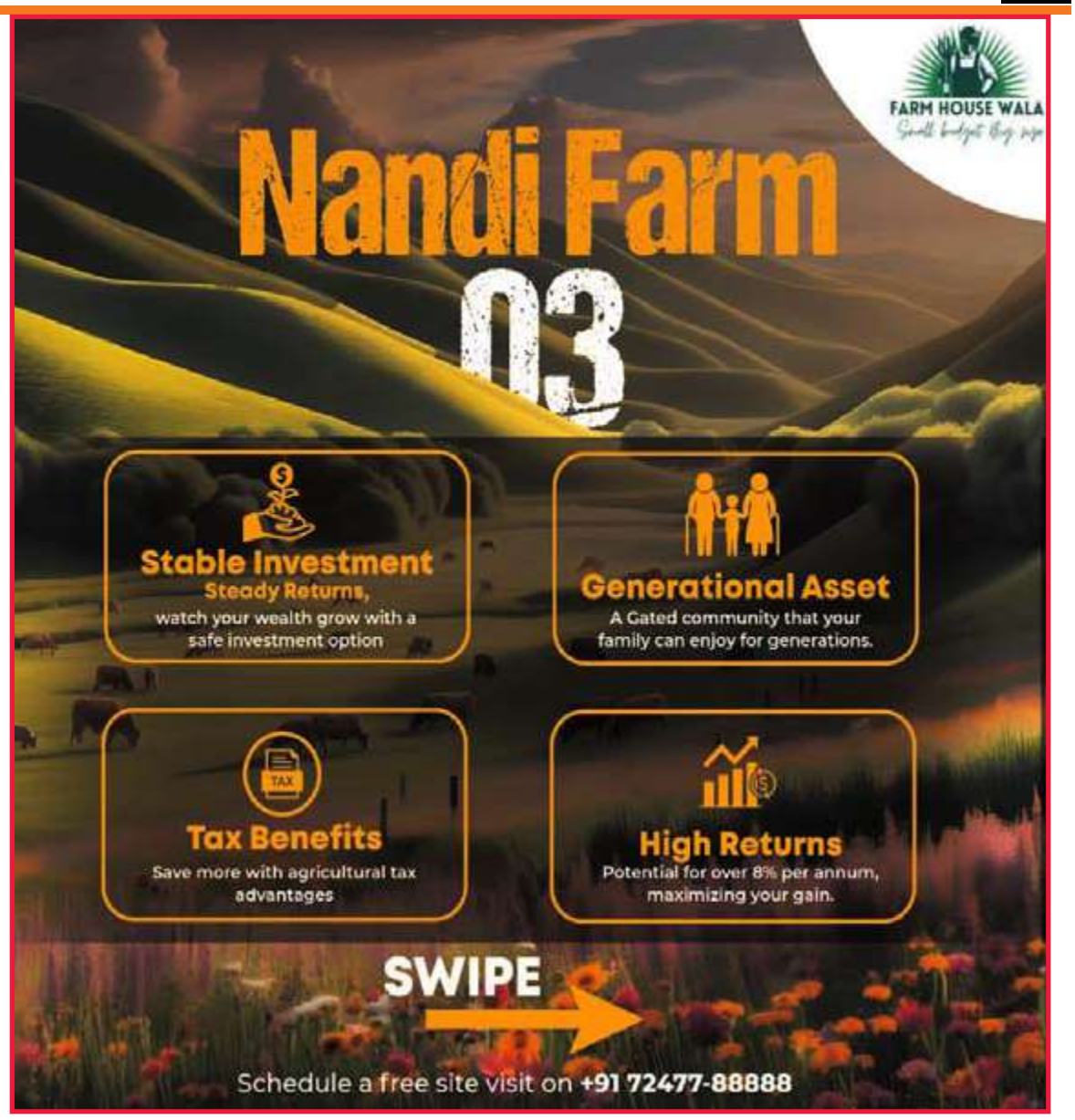

जेल प्रहरी की परीक्षा में बैठे पांच लाख बेरोजगार, चयन हुआ केवल 200 का

इंदौर। बेरोजगारी का आलम का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हाल ही में जेल प्रहरी तथा वनरक्षक की परीक्षा व्यापम द्वारा ली गई थी, जिसमें 5 लाख बेरोजगार युवकों ने एग्जाम दी, लेकिन चयन मात्र 500 का हो पाया। इनमें 300 फॉरेस्ट गार्ड तथा 200 जेल प्रहरी शामिल हैं। जेल डीआईजी संजय पांडे के मुताबिक कुछ माह पूर्व जेल प्रहरी एवं वनरक्षक के पद के लिए परीक्षा हुई थी। उनमें से जेल विभाग के 200 प्रहरी अव्वल रहे। उन्होंने बताया कि परीक्षा परिणाम आने के बाद अब इन प्रहरियों को प्रदेश की अन्य केंद्रीय और जिला जेलों में पदस्थ किया जाएगा। डीआईजी पांडे ने बताया कि प्रदेश में 11 सेंट्रल जेल, 41 जिला जेल, तथा 73 उपजेल हैं। जहां अभी भी 500 पद प्रहरियों के रिक्त पड़े हैं। जल्दी ही सरकार पदों को भरने के लिए परीक्षा आयोजित करेगी।

सब्जियों में महंगाई से नहीं मिल रही राहत

मंडी में नए आलू का श्रीगणेश, दाम ऊंचे 30 रु. किलो

इंदौर।

सब्जियों के दाम लगातार ऊंचे चल रहे हैं। आम आदमी को दिसंबर के महीने में सस्ती सब्जियों की उम्मीद रहती है,

दक्षिण भारत से आ रही सूरजनाफली

लेकिन इस बार ऐसा नजर नहीं आ रहा। नए आलू का श्रीगणेश मंडी में हो चुका है। थोक मे बेहतर क्वालिटी 30 रु. किलो दाम चल रहे हैं।

इंदौर की चोइथराम मंडी में सब्जियां तो पर्याप्त आ रही हैं पर दाम आम आदमी की पहुंच से बाहर ही है। थोड़ी सी राहत इस बात से है कि नए आलू का श्रीगणेश हो गया है, जो बेहतर क्वालिटी में 26 से 32 रुपए प्रति किलो चल रहा है। खेरची में आलू 40 किलो बिका गया था। अब लगातार आलू के दाम कम होने की संभावना है, जिससे उपभोक्ता को राहत मिलेगी, वहीं इस मौसम में गराडू के दाम भी कम हुए हैं। रतलाम की ओर से आने वाला गराडू 25 से 30 रुपए किलो मंडी में बिक रहा है। दक्षिण भारत केरल से आने वाली सुरजनाफली के दाम 70 से 80 रुपए किलो चल रहे हैं।

आलू में खेत से सौदे कमजोर, किसान मायूस

दिसंबर की शुरुआत मे आलू का व्यापार करने वाले व्यापारियों में किसानों से खड़ी फसल के खेत पर सौदे करना शुरू कर दिए थे। उस समय 20 से 25 रु के सौदे होने और खेत पर ही पूठपरख हो रही थी। किसान खुश नजर आ रहे थे, लेकिन एक सप्ताह में आलू की फसल मंडी में समय से पहले शुरुआत होने से व्यापारियों की खेत पर पूठपरख कम हो गई। उम्मीद है कि मौसम साफ रहा तो 3 सप्ताह में आलू की अच्छी खासी आवक शुरू हो जाएगी और आम उपभोक्ता को मंहगे आलू से निजात भी मिलेगी। मैथी 15से 20 रुपए, पालक 15, हरा मटर 60 से 70, गिलकी 35 से 40, भिंडी 25 से 30 रुपए, चावलाफली 25 से 30 रुपए, सुरजनाफली 70 से 85 रुपए, लौकी 8 से 12 रुपए, बैंगन 6 से 12 रुपए, गाजर 16 से 20, खीरा 20 से 25 रुपए, मिर्ची 25से 35 रुपए, हरा धनिया 20 से 25 रुपए, अदरक 30 से 35 रुपए, गराडू 25 से 30 किलो थोक में दाम चल रहे हैं। खेरची मंडी में प्रति किलो 10-15 और 20 रुपए किलो तक ज्यादा देते हैं।

अधिकारी की खुदकुशी से इंदौर से भोपाल तक वन विभाग स्तब्ध

तितली पार्क शुरू करवाने का सोलंकी का सपना अधूरा ही रह गया

इंदौर।

डीएफओ महेंद्रसिंह सोलंकी के सुसाइड यानी खुदकुशी को लेकर इन्दौर से भोपाल तक वनविभाग स्तब्ध है। किसी को भी विश्वास ही नहीं हो रहा है कि 24 में से 18 घण्टे काम करने वाला कर्मठ अधिकारी सरकारी सेवा से रिटायर्ड होने से कुछ माह पहले इतनी खामोशी से दुनिया को अचानक अलविदा कह सकता है। उनके दिशा निर्देश में रालामंडल में बनाए गए तितली पार्क को पर्यटकों के लिए इस साल दिसम्बर माह के अंतिम सप्ताह में शुरू करवाने का उनका सपना अधूरा ही रह गया।

फारेस्ट ऑफिसर सोलंकी पिछले एक साल से इंदौर का सबसे बड़ा बटरफ्लाई यानी तितली पार्क रालामण्डल अभयारण्य में बनवाने में जुटे थे। पिछले कई साल से अटके तितली पार्क से सम्बन्धित सम्पूर्ण विकास कार्य पूरे हो चुके थे। उनकी इच्छा थी कि तितलियों के सीजन में ही पार्क शुरू कर दिया जाए। वह इस साल के अंतिम माह के आखिरी सप्ताह तक पार्क के लोकार्पण के लिए भोपाल अधिकारियों से हरी झंडी मिलने का इंतजार कर रहे थे , मगर अफसोस उनका यह सपना पूरा नहीं हो सका। वो कहते थे कि यदि साल खत्म होने के पहले लोकार्पण की तारीख तय नहीं हुई तो मैं स्कूली बच्चों को बुलाकर उनसे ही इसका शुभारंभ करवा दूंगा ।

उन्हें क्या पता था कि जिन्हें वो फोन लगा रहे है वो अब खुद इस दुनिया में नही है

इन्दौर डीएफओ सोलंकी के सुसाइड की खबर के बाद से वाइल्ड वॉरियर्स , नेचर लवर्स, बर्ड लवर्स से सम्बंधित सभी एनजीओ कार्यकर्ताओ में शुक्रवार से ही शोक का माहौल है । इसी के चलते कल रविवार को होल्कर कॉलेज में देशी विदेशी पंक्षियो का सर्वेक्षण और गणना स्थगित कर दी गई। शुक्रवार 13 दिसम्बर को सिरपुर तालाब के पास मांझा की डोर से कट कर तड़फ रही ब्लेक काइट यानी चील पंक्षी का रेस्क्यू करने वाले वाइल्ड वॉरियर रितेश खाबिया ने बताया कि वह रेस्क्यू कार्रवाई के लिए नियम के अनुसार सूचना देने के लिए इन्दौर डीएफओ महेंद्र सिंह सोलंकी को लगभग दोपहर 2 बजे से लगातार फोन लगा रहे थे कि घायल ब्लेक काइट पंक्षी का रेस्क्यू कर लिया है अब उसे हम इलाज के लिये कमला नेहरू वन्य प्राणी संग्रहालय लेकर जा रहे है, मगर पहली बार ऐसा हुआ कि 3 से 4 बार में भी उन्होंने फोन नही उठाया , तो हमने सोचा कि सम्भवत: बड़े अधिकारियों के साथ मीटिंग में होंगे मगर हमे क्या पता था कि रेस्क्यू की खबर के लिए वो जिन्हें बार- बार फोन लगा रहे है वह अब खुद इस दुनिया मे नही है।

उद्योगपति था, घाटा हुआ तो साइबर ठग बन गया

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। कल गुजरात से पकड़ाया आरोपी एक बड़ा उद्योगपति था। बताते हैं कि व्यापार में बड़ा घाटा होने पर वह ठग बन गया। इंदौर के एक व्यक्ति को पहले वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ने और फिर फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर उससे चार करोड़ से अधिक की ठगी करने के मामले में क्राइम ब्रांच ने पहले चार आरोपियों को गुजरात, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से पकड़ा था। इनके नाम आर्यन गुप्ता, मोहम्मद फैज, मोहम्मद अमीर और सोहेल खान हैं। कल क्राइम ब्रांच ने गुजरात के भरूच से एक और आरोपी, जो ठगों को बैंक खाते उपलब्ध करवाता था, को पकड़ा है। उसका नाम हिरेन भाई है। उसे पुलिस ने रिमांड पर लिया है। बताते हैं कि पूछताछ में पता चला कि वह गुजरात का एक प्रतिष्ठित उद्योगपति था। उसकी कई फैक्ट्रियां भी थीं।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

रणजीत अष्टमी को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में... युवाओं में नजर आ रहा उत्साह

बीते एक महीने से मंदिर प्रांगण में प्रैक्टिस... पुरुष ध्वजा वाहिनी भी कर रही तैयारियां

इंदौर।

शहर में स्थित प्राचीन रणजीत हनुमान मंदिर पर हर वर्ष रणजीत अष्टमी बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। इस साल रणजीत अष्टमी के मौके पर 23 दिसंबर को अलसुबह विशाल प्रभातफेरी निकाली जाएगी। चार दिनी आयोजन 20 दिसंबर से शुरू होगा। बीते एक माह से मंदिर में इस विशाल और गौरवशाली आयोजन को लेकर तैयारियां चल रही हैं। सबसे खास बात कि इसे लेकर युवाओं में काफी उत्साह नजर आ रहा है। बीते एक महीने से मंदिर प्रांगण में पहुंचकर युवा अलग-अलग प्रैक्टिस कर रहे हैं।

हर साल इस प्रभातफेरी का स्वरूप भव्य होता जा रहा है। रणजीत अष्टमी पर्व की शुरुआत इस साल 20 दिसंबर को इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह के हाथों ध्वजारोहण से होगी। 21 दिसंबर को शाम 7 बजे दीपोत्सव के बाद भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। मंदिर परिसर में हजारों दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। 22 दिसंबर को रथ पर विराजित होने वाले विग्रह के साथ ही रक्षासूत्र सिद्ध किए जाएंगे। इस साल भी करीब सवा लाख रक्षासूत्र सिद्ध किए जाएंगे, जो भक्तों में नि:शुल्क बांटे जाएंगे। चारों दिन मंदिर की भव्य सजावट होगी। फूल बंगला भी हजारों किलो फूलों से सजाया जाएगा। इससे पहले बीते एक महीने से यहां श्री हनुमंत ध्वजपथक इंदौर के करीब 150 युवा हर दिन पहुंचक ढोल वादन का अभ्यास कर रहे हैं। इनमें 70 युवतियां हैं, जो भी लगातार अभ्यास के लिए आ रही हैं। मिली जानकारी के मुताबिक इनमें कई युवा ऐसे हैं, जो बड़ी कंपनियों में काम करते हैं और अपने काम के बाद यहां आकर अभ्यास कर रहे हैं। बीते साल भी प्रभातफेरी में श्री हनुमंत ध्वजपथक इंदौर के इन युवाओं ने ढोल वादन किया था। इसके अलावा कुछ बच्चे भी हैं, जो प्रभातफेरी के लिए लगातार आकर शंख वादन का अभ्यास कर रहे हैं। जय रणजीत भक्त मंडल की पुरुष ध्वजा वाहिनी ने भी ध्वजा अभ्यास शुरू कर दिया है तो पूरे यात्रा मार्ग को भी केसरिया ध्वजा से सजा दिया गया है।

महिला पुलिस बल भी रहेगा मौजूद

मंदिर के मुख्य पुजारी पं. दीपेश व्यास ने बताया कि हर साल रणजीत अष्टमी पर निकलने वाली प्रभातफेरी का स्वरूप भव्य होता जा रहा है। इस साल भी लाखों लोगों के प्रभातफेरी में शामिल होने की संभावना है, जिसे देखते हुए इस साल सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रहेगी। पुलिस वॉच टॉवर भी लगाएगी। साथ ही रात 10 बजे से आने वालों की रैंडम जांच की जाएगी। इसमें देखा जाएगा कि कोई नशे या हथियार के साथ शामिल होने के लिए न आए। पं. व्यास के मुताबिक ये एक अच्छा संकेत है कि बड़ी संख्या में युवा अपने धर्म से जुड़ रहा है। रणजीत अष्टमी और निकलने वाली प्रभातफेरी को लेकर ये नजर आ रहा है। इस साल भी प्रभातफेरी मंदिर से निकलकर महू नाका, अन्नपूर्णा रोड, नरेंद्र तिवारी मार्ग, फूटी कोठी चौराहा होते हुए फिर मंदिर लौटेगी। डीजे पर प्रतिबंध रहेगा।

सवाल पूछने में भी 150 से अधिक विधायक फिसड्डी... आज से शीतकालीन सत्र

इंदौर।

आज से विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है, जो 5 दिन का रहेगा, जिसमें आठ विधेयक पेश किए जाएंगे और 1700 से अधिक सवाल विधायकों द्वारा पूछे गए हैं। दूसरी तरफ 150 से अधिक विधायक ऐसे भी हैं, जिन्होंने बीते एक साल में एक भी सवाल नहीं पूछा। ये इस साल का आखिरी सत्र है। अब देखना यह है कि इसमें भी 5 बैठकें होती हैं अथवा नहीं, क्योंकि पूर्व में भी इसी तरह विधानसभा के सत्र स्थगित होते रहे हैं।

मोहन सरकार इस सत्र में अनुपूरक बजट भी पेश करेगी। दूसरी तरफ कांग्रेस ने घेराबंदी की घोषणा की है और आज पहले दिन ही कानून व्यवस्था, वादाखिलाफी सहित तमाम मुद्दों को लेकर विधानसभा का घेराव किया जा रहा है, जिसमें इंदौर सहित प्रदेशभर के कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता सुबह से ही बसों-गाड़ियों में भरकर रवाना हुए। उपचुनाव जीते तीन विधायकों को शपथ भी दिलाई जाएगी, जिनमें बुधनी के रमाकांत भार्गव, अमरवाड़ा के कमलेश शाह और विजयपुर के मुकेश मल्होत्रा शामिल हैं। इस सत्र में 1766 लिखित प्रश्न और 176 ध्यानाकर्षण और एक स्थगन प्रस्ताव है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्रसिंह तोमर ने कल सभी तैयारियों की समीक्षा भी की। दूसरी तरफ इस साल विधानसभा के तीन सत्र आयोजित हुए, जिनमें 150 से अधिक विधायक ऐसे फिसड्डी निकले, जिन्होंने एक भी सवाल नहीं पूछा। इनमें भाजपा विधायकों की संख्या सर्वाधिक है तो कांग्रेस के विधायकों की संख्या 20 रही। आज से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र में भी 142 विधायकों ने सवाल पूछे हैं। वहीं कल पहला अनुपूरक बजट भी पेश होना है, जिस पर बुधवार को चर्चा होगी। अशासकीय संकल्प की 14 और शून्यकाल की 47 सूचनाएं भी विधानसभा सचिवालय को प्राप्त हुई हैं। अब आज के कांग्रेसी घेराव को देखते हुए चारों तरफ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। ट्रिपल लेयर सुरक्षा व्यवस्था के लिए सैकड़ों पुलिस जवान लगाए गए हैं।

आईआईटी कानपुर में फोरेंसिक एनालिसिस के गुर सीख रहे बिजलीकर्मी

इंदौर। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी साइबर सिक्योरिटी को लेकर गंभीरता से कार्य कर रही है, ताकि आपूर्ति, बिलिंग डाटा, सिस्टम, स्कॉडा इत्यादि व्यवस्थाओं को लेकर सुरक्षात्मक स्थिति और पुख्ता हो। कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक प्रकाशसिंह चौहान ने बताया कि साइबर सिक्योरिटी को लेकर प्रबंध निदेशक रजनी सिंह ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने को कहा है, इसीलिए सूचना प्रौद्योगिकी शाखा हर दृष्टिकोण से भारत सरकार के निर्देशों का अक्षरश: पालन कर रही है। कंपनी के साइबर सिक्योरिटी प्रभारी का दायित्व सूचना प्रौद्योगिकी शाखा के उपमहाप्रबंधक गौतम कोचर को दिया गया है। साइबर सिक्योरिटी को लेकर सतत मीटिंग हो रही है।

कैंसर मरीजों की केयर सपोर्टिंग बेहतर बनाने के लिए

इंदौर में अब हर साल होगी अंतरराष्ट्रीय कैंसर लक्षण प्रबंधन वर्कशॉप

इंदौर।

इलाज के चलते कैंसर मरीजों में होने वाले साइड इफेक्ट और दर्द के दौरान उनकी केयर सपोर्टिंग, यानी बेहतर देखभाल के लिए अब शहर में कैंसर लक्षण प्रबंधन पर हर साल अंतरराष्ट्रीय वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा। यह संकल्प शहर में विदेशी डाक्टर्स की मौजूदगी में कैंसर फाउंडेशन इंदौर ने लिया।

विदेशी विशेषज्ञ डॉक्टर्स ने दिए कई अहम सुझाव

कैंसर फाउंडेशन इंदौर की 2 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वर्कशॉप में इटली, यूएसए सहित कई बाहरी देशों के कैंसर विशेषज्ञ डाक्टर्स के अलावा भारतीय आयुर्वेद डाक्टर्स ने भी कई अहम जानकारियां, अपने अनुभव और सुझाव एक-दूसरे से साझा किए। इस वर्कशॉप में आए विदेशी मेहमान और मेजबान डाक्टर्स ने कैंसर मरीजों के इलाज के दौरान लक्षण प्रबंधन विषय पर 2 दिन तक गहन चिंतन-मनन कर कहा कि इलाज के दौरान साइड इफेक्ट के चलते मरीज को होने वाले दर्द-तकलीफ से बचाने के लिए कई डाक्टर्स को एक-दूसरे से ही नहीं, मरीज के परिजनों से समन्वय कर, यानी मिलकर काम करना होगा।

लक्षण प्रबंधन ऐसे करें

केयर सपोर्टिंग, यानी बेहतर देखभाल के लिए कैंसर मरीज के इलाज के पहले शरीर के जिस पार्ट, यानी अंग में कैंसर हुआ है, उससे संबंधित विशेषज्ञ डॉक्टर सहित अन्य डॉक्टर्स की टीम इलाज शुरू करने के पहले मरीज और उसके परिजनों को बताएं कि इलाज के साइड इफेक्ट के क्या-क्या लक्षण होंगे और उसका निदान, यानी बचाव अथवा इलाज क्या है।

आयुर्वेद इलाज पर विशेष ध्यान दें

वर्कशॉप में चर्चा के दौरान कैंसर मरीजों को साइड इफेक्ट से बचाने के लिए आयुर्वेद चिकित्सा अपनाने और इसके बेहतर परिणामों पर चर्चा की गई। विशेषज्ञ डाक्टर्स ने कहा कि यदि पहली स्टेज पर मरीज में कैंसर का पता चल जाए तो आयुर्वेद के इलाज के माध्यम से मरीज के 90 से 95 प्रतिशत तक ठीक होने संभावना बढ़ जाती है।

लेजरथैरेपी का ज्यादा इस्तेमाल करें

कैंसर फाउंडेशन के सीनियर डॉक्टर दिग्पाल धारकर ने बताया कि विदेशी डाक्टर्स का कहना था कि कैंसर के मरीजों के इलाज के लिए लेजरथैरेपी का ज्यादा इस्तेमाल किया जाए। इससे मरीजों को दर्द-पीड़ा तो कम होती ही है, साथ ही अन्य थैरेपी की अपेक्षा इसके साइड इफेक्ट भी कम होते हैं।

अपोलो डीबी सिटी में बने भव्य मंदिर में अभिषेक, हवन, पूजन के साथ हुई आतिशबाजी। श्रीमती आशा विजयवर्गीय भी पहुंची।

रहवासियों ने धूमधाम से मनाई अपोलो धाम की पहली वर्षगांठ

इंदौर।

अयोध्या के राम मंदिर की तर्ज पर ही राजस्थानी पत्थरों से निर्मित भव्य और खूबसूरत अपोलो धाम की पहली वर्षगांठ कल रात धूमधाम से मनाई गई, जिसमें हजारों रहवासी शामिल हुए। निपानिया स्थित अपोलो डीबी सिटी टाउनशिप में बने इस मंदिर अपोलो धाम में अभिषेक, हवन, पूजन के साथ जोरदार आतिशबाजी की गई और फिर भोजन प्रसादी भंडारे का आयोजन हुआ। इस अवसर पर श्रीमती आशा विजयवर्गीय भी विशेष रूप से महाआरती में शामिल रहीं।

मात्र 100 दिनों में इस मंदिर का निर्माण किया गया और गत वर्ष 15 अक्टूबर को ही मंदिर में विराजित सभी देवताओं की प्राण-प्रतिष्ठा की गई थी। अपोलो धाम की पहली वर्षगांठ का आयोजन कल रविवार को किया गया, जिसमें शाम 4 बजे से अभिषेक, हवन और पूजन का आयोजन हुआ। इसमें कई जोड़े शामिल हुए। तत्पश्चात शाम साढ़े 7 बजे महाआरती हुई, जिसमें मुख्य रूप से मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की धर्मपत्नी श्रीमती आशा विजयवर्गीय और पार्षद पूजा पाटीदार भी मौजूद रहीं। श्रीमती विजयवर्गीय ने अपोलो धाम पर ही आधारित 40 पेज की बहुरंगीय स्मारिका का विमोचन भी किया और सभी रहवासियों को अपोलो धाम की पहली वर्षगांठ की शुभकामनाएं भी दीं। अपोलो डीबी सिटी रहवासी कल्याण संघ के अध्यक्ष राजेश ज्वेल और सचिव विशाल झालानी ने एक जानकारी में बताया कि टाउनशिप के सभी रहवासियों से मिली सहयोग राशि से गत वर्ष इस मंदिर का निर्माण पूरा किया गया, जिसमें भगवान श्रीगणेश और राधाकृष्ण, राम दरबार, देवी मां और बाबा भोले के साथ सांईबाबा विराजित हैं। इस अवसर पर इंदौर प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरविंद तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार कीर्ति राणा सहित 1500 से अधिक रहवासी शामिल हुए।

अपनों के लिए लाइव पेंटिंग करेंगे चित्रकार

इंदौर। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर अब चित्रकार ब्रश उठाएंगे। संस्कार भारती मालवा प्रांत 21 दिसंबर को एक आयोजन कर रही है, जिसमें शहर के तमाम चित्रकारों को लाइव पेंटिंग करने के लिए आमंत्रित किया गया है। संस्कार भारती ये आयोजन लोक जागरण के उद्देश्य से राजबाड़ा के सामने उद्यान में करेगी, जिसमें शामिल होने वाले चित्रकारों को लाइव पेंटिंग करना होगी। संस्कार भारती इसके लिए चित्रकारों को कैनवास उपलब्ध करवाएगी। ब्रश और रंग चित्रकारों को लाना होंगे। इंदौर संस्कार भारती के महामंत्री सुधीर सूबेदार ने बताया कि ये आयोजन 21 और 22 दिसंबर को मालवा और निमाड़ के हर जिले में होगा। इंदौर में करीब 50 चित्रकारों को आमंत्रित किया गया है।

जमकर बरसा धन...एक करोड़ से अधिक का टैक्स आया

राऊ।

नगर परिषद राऊ में आयोजित नेशनल लोक अदालत के तहत जलकर एवं संपत्तिकर जमा करने के लिए सुबह 9 बजे से रात 12 तक टैक्स जमा करने वालों का तांता लगा रहा। सीएमओ चंद्रशेखर निगम ने बताया कि एक करोड़ से अधिक का जलकर एवं संपत्तिकर प्राप्त होने की संभावना है।

गौरतलब है कि नगर परिषद राऊ ने करीब तीन बार जोरदार वसूली करके प्रदेश सरकार से अवार्ड हासिल किया था। इस अवार्ड की राशि को नगर के विकास में लगाया गया था। करदाताओं की भारी भीड़ को देखते हुए वार्ड को विभाजित करके काउंटर खोले गए थे, ताकि करदाताओं को परेशानियों का सामना न करना पड़े, लेकिन सर्वर डाउन होने से करदाता घंटों परेशान भी हुए। पहली बार नगर परिषद में टैक्स जमा करने का काम रात करीब 2 बजे तक चलता रहा। ऐसा अब तक के इतिहास में नहीं देखा गया। टैक्स जमा करने में जो कर्मचारी एवं अधिकारी रात-दिन लगे रहे उनमें सचिन तोमर, आशीष शर्मा, शिवम उपाध्याय, नीरज जाटव, जितेंद्र पाटीदार, जल यंत्रालय के दौलामल, सुनीता मालवीय, नरेंद्र गोयल, ममता श्रीवास, मुकेश तिलवकर, अकाउंटेंट आर्य, पीयूष श्रीवास्तव, अभिषेक बार्चे, राहुल तोमर सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

अब होंगी बाधाएं चिह्नित... फिर चलेगा तोड़फोड़ अभियान

मास्टर प्लान की सड़कों के निर्माण को लेकर योजना शाखा के अफसरों की लगेगी क्लास

● इंदौर।

मास्टर प्लान के तहत 22 से ज्यादा सड़कें बनाने का काम आने वाले दिनों में शुरू होगा। इसके लिए एजेंसी भी फाइनल कर दी गई है। सड़कों के बाधक हिस्से चिह्नित करने के साथ-साथ उन्हें हटाने की कार्रवाई को लेकर पूरी प्लानिंग तैयार की जाएगी। इसी को लेकर कल योजना शाखा के अफसरों की बैठक बुलाई गई है।

पिछले दिनों नगर निगम ने शहर की प्रमुख सड़कों को लेकर टेंडर बुलाए थे। करीब 480 करोड़ की लागत से सड़कों का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए नगर निगम को राज्य शासन से विशेष पैकेज के तहत राशि मिली है। इनमें लक्ष्मीबाई प्रतिमा, जिंसी चौराहा, सुभाष मार्ग, नंदलालपुरा से कबूतरखाना, गौतमपुरा, चंद्रभागा से मच्छी बाजार, भागीरथपुरा मुख्य मार्ग, जीपीओ चौराहा, मधुमिलन चौराहा से छावनी सहित कई सड़कें मास्टर प्लान के तहत बनाई जाना हैं। इसके लिए बड़े पैमाने पर बाधाएं हटाई जाएंगी। जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर के मुताबिक आने वाले दिनों में सड़कों के काम शुरू कराए जाने हैं। इसके लिए बाधक हिस्से चिह्नित करने के साथ-साथ नपती और निशान लगाने की कार्रवाई का अभियान भी जल्द शुरू होगा। उसके बाद बाधक हिस्से हटाने के लिए रहवासियों को पर्याप्त मोहलत दी जाएगी। इस मामले को लेकर योजना शाखा के अधिकारियों की बैठक बुलाई गई है, जिसमें सड़क निर्माण से लेकर बाधाओं को चिह्नित करने के साथ-साथ पूरी प्लानिंग के तहत सड़कों के निर्माण कार्य शुरू कराए जाएंगे।

एक साथ सारे काम शुरू नहीं करेंगे

राठौर का कहना है कि शहर में मास्टर प्लान की सड़कें बनाने के लिए सारे काम एक साथ शुरू नहीं कराए जाएंगे, क्योंकि इससे तमाम दिक्कतों के साथ-साथ यातायात की बाधाएं भी होती हैं। इसी के चलते अलग-अलग सड़कों के काम समयावधि में पूरे कराए जाने की तैयारी है और इसी की प्लानिंग कल की बैठक में होना है। सड़कों के निर्माण के साथ-साथ उन क्षेत्रों में ड्रेनेज और नर्मदा की लाइनों की शिफ्टिंग के साथ-साथ कई अन्य दिक्कतें भी रहती हैं, जिनको लेकर पहले से ही तैयारी की जाएगी।

किराएदार की जानकारी पुलिस को नहीं दी, मकान मालिक उलझा

इन्दौर। मकान मालिक ने किराएदार की जानकारी पुलिस थाने पर नहीं दी। पुलिस ने मकान मालिक पर कार्रवाई की है। कनाड़िया पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रशासन ने पूर्व में आदेश दिये थे कि होटल, संस्थान और मकानों में किराएदार रखने पर उक्त संबंधित लोगों की जानकारी जिम्मेदारों को थाने पर देना अनिवार्य है। उक्त आदेख की अनदेखी कर मानवता नगर में रहने वाले राजेश कुमार गुप्ता ने अपने यहां पर किराए पर किसी को मकान दिया और उक्त लोगों की जानकारी थाने पर उपलब्ध नहीं करवाई। उल्लेखनीय है कि शहर में बाहर से लोग नौकरी और व्यवसाय के सिलसिले में आते हैं और किराये से मकान लेते हैं, कई बार मकान मालिक थाने पर जानकारी नहीं देते।

रीगल तिराहे पर संकेतकों पर लगे बैनर, पोस्टर नगर निगम ने आज हटाए।

मधुबन कालोनी में आज बैकलाइन में हुए कब्जे हटाएंगे

● इंदौर।

मधुबन कालोनी की बैकलाइनों में किए गए कब्जों को हटाने की कार्रवाई निगम की टीम द्वारा आज की जाएगी। वहां कई हिस्सों में ड्रेनेज लाइनें चोक हैं और कब्जों के कारण वहां साफ-सफाई नहीं हो पा रही है।

कुछ वर्ष पहले नगर निगम ने शहरभर की बैकलाइनों को संवारने का काम शुरू किया था और कई जगह बैकलाइन बेहतर स्थिति में है, लेकिन वहीं कई जगह बैकलाइनों में कब्जों के कारण अब परेशानी आ रही है। द्रविड़ नगर के झोनल अधिकारी सुनील जादौन के मुताबिक मधुबन कालोनी की कई बैकलाइनों में ड्रेनेज लाइनों की दिक्कतों के चलते वहां सफाई कार्य नहीं हो पा रहे हैं। वहां कब्जे हैं, जिन्हें आज निगम की रिमूवल टीम की मदद से हटाया जाएगा। कुछ समय पहले भी नगर निगम ने बैकलाइनों से कब्जे हटाने की कार्रवाई का बड़ा अभियान चलाया था।

राजकुमार ब्रिज के बोगदों से निगम ने हटाया अटाला, ट्रेंचिंग ग्राउंड भेजा

मुहिम के दौरान जब्त हुआ सामान कर रहा था रास्ते जाम

● इंदौर।

नगर निगम द्वारा मुहिम के दौरान जब्त किए गए सामान का अंबार राजकुमार ब्रिज के बोगदों के आसपास लगा दिया गया था। सड़कों पर बड़ी संख्या में ठेले, गुमटी, काउंटर पड़े थे, जिन्हें हटाने का काम शुरू कर दिया गया है।

नगर निगम द्वारा शहर के अलग-अलग बाजारों में मुहिम चलाकर सड़कों और फुटपाथों तक किए गए कब्जों के दौरान बड़ी संख्या में टेबल-कुर्सी से लेकर डमी और काउंटर से लेकर ठेले-गुमटी जब्त किए जाते हैं, जिन्हें लाकर राजकुमार ब्रिज के नीचे बने गोदामों में पटक दिया जाता है। पिछले कई महीनों से जब्त सामान के कारण बोगदों की हालत ऐसी हो गई थी कि जब्त सामान सड़कों पर ही निगम की टीम पटक देती थी। इससे वहां कचरा और गंदगी के साथ-साथ रास्ता जाम होने की शिकायत आ रही थी। आला अधिकारियों के निर्देश पर कल से वहां सामान हटाने की कार्रवाई शुरू की गई है। अधिकारियों के मुताबिक जब्त सामान ट्रेंचिंग ग्राउंड में भेजा जा रहा है। इनमें कई गुमटियों से लेकर ठेले भी बड़ी संख्या में भेजे गए हैं। कई बार बोगदों के आसपास से सामान चोरी होने की घटनाओं के चलते वहां कैमरे भी लगाए गए थे, लेकिन उसके बावजूद शिकायतें थमी नहीं थीं।

लीज पर जमीनें ली पर भूभाटक भरने में पीछे

आईटीआई को दी 2 एकड़ भूमि की 9 साल से नहीं भरी लीज

आवासीय भूमि की ली अनुमति, धड़ल्ले से व्यावसायिक उपयोग कर रहे

● इंदौर।

विभिन्न संस्थाओं ने शहर में कॉलेज, आवासीय परिसर, सामाजिक संस्थाएं, धर्मशालाएं बनाने के लिए सरकारी मद से कई एकड़ भूमि लीज पर ले रखी है, लेकिन सालों से भूभाटा ही नहीं भरा है। आईटीआई कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था अनुदेशक नगर सुखलिया को दो एकड़ भूमि आवासीय परिसर के लिए उपलब्ध कराई गई थी, जिसका न तो नौ साल से भूभाटक भरा गया है और न ही दी अनुमति के अनुसार उपयोग हो रहा है। धड़ल्ले से व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है। अब प्रशासन ने लीज निरस्ती का नोटिस थमाया है।

राजस्व महाअभियान के तृतीय चरण में राजस्व अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र की नजूल भूमियों का राजस्व वसूलने की कार्रवाई कर रहे हैं, जिसमें कई सहकारी संस्थाओं के नाम उजागर हुए हैं, जिन्होंने लीज पर तो जमीन ले ली, लेकिन सालों से भूभाटक भरने की जहमत नहीं उठाई। नाममात्र का शुल्क भरने में भी सालों गुजर गए। वहीं दी गई आवासीय जमीनों का व्यावसायिक उपयोग भी सामने आ रहा है। इसी तरह का मामला आईटीआई कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित इंदौर अनुदेशक नगर सुखलिया का सामना आया है, जिसमें उक्त संस्था ने 2015 से आज तक भूभाटक ही नहीं भरा है। वहीं जब विभाग के अधिकारी जांच के लिए पहुंचे तो पाया कि आवासीय प्रयोजन से आवंटित की गई भूमि के लगभग 18400 वर्गफीट क्षेत्रफल में विभिन्न व्यावसायिक संस्थान संचालित किए जा रहे हैं, जो लीज शर्तों का उल्लंघन है। अब एसडीएम मल्हारगंज निधि वर्मा ने उक्त संस्था को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

2015 में लीज खत्म नवीनीकरण नहीं

ज्ञात हो कि उक्त संस्था को 2 एकड़ भूमि 1985 में 30 वर्ष की अवधि के लिए आवासीय प्रयोजन हेतु मध्यप्रदेश शासन भू परिमापक एवं बंदोबस्त विभाग के आदेश पर दी गई थी। इसके लिए 14113.44 रुपए वार्षिक भूभाटक पट्टा तय किया गया था, जिसकी लीज 2015 में ही समाप्त हो चुकी है। उक्त संस्था ने आज तक न तो लीज का नवीनीकरण कराया है और न ही भूभाटक भरा जा रहा है। वहीं लीज शर्तों का उल्लंघन करते हुए नोटिस देने के बावजूद जवाब पेश नहीं किया जा रहा है। अनुविभागीय अधिकारी ने सात दिन का समय देकर लीज निरस्ती की कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं। अधिकारियों के अनुसार मप्र नजूल भूमि निवर्तन निर्देश 2020 के अध्याय 3 के भाग ज्ञ के अनुसार लीज निरस्ती की कार्रवाई की जाएगी।

जिलों में हो रहे नवाचारों को अपनाएगा शासन

इंदौर। मध्यप्रदेश शासन आम जनता के लिए कलेक्टर व अधिकारियों द्वारा चलाई जाने वाली योजनाओं व अभिनव पहल को ऊंचाइयों तक ले जाने की तैयारी कर रहा है। सचिव योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल ने सभी जिलों को पत्र लिखकर अपने अच्छे कार्यों को गूगल लिंक पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। जारी पत्र के अनुसार उत्तम कार्यों की पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करने तथा जिलों की बेस्ट प्रैक्टिस का प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा।

भिक्षावृत्ति अभियान सहित किए गए नवाचारों की मांगी सूची

इंदौर जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे भिक्षुकमुक्त अभियान, फ्री में बच्चों को उपलब्ध कराई गई लाइब्रेरी और सरकारी दफ्तर में चलाई गई ई-अटेंडेंस जैसी अभिनव पहल अब प्रदेश स्तर पर अपनाई जा सकती है। विभाग ने इंदौर जिले की 25 से ज्यादा योजनाओं की जानकारी मांगी है। सचिव योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल ने विभागों से जानकारी गूगल फॉर्म के माध्यम से मांगी है। विभाग ने इसके लिए फोटो और अन्य जानकारी अपलोड करने के लिए क्यूआर कोड भी जारी किया है।

सुशासन के लिए कर रहे पहल

आम जनता को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभ पहुंचाने के लिए सुशासन एवं अभिनव सफल प्रथाओं के लिए किए जा रहे प्रयासों की पहचान करना, राज्य शासन द्वारा सफल सुशासन मॉडल की पुनरावृत्ति हेतु नीतिगत सुझाव प्रदान करना एवं प्रदेश में कुशल नागरिक सेवाओं को सुलभ बनाने के लिए प्रशासनिक सुधार सुझाना नीति आयोग के प्रमुख कार्य एवं दायित्व है, जिनके लिए अब सुशासन की तैयारी की जा रही है। इसके लिए जिलों द्वारा किए जा रहे उत्तम कार्यों की पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करने तथा जिलों की बेस्ट प्रैक्टिस के प्रसार हेतु जिला अधिकारियों को जिला स्तर के नवाचारों को एक मंच प्रदान करने हेतु विषयवार संगोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा व इनका प्रकाशन भी कराया जाएगा।

एडीजे साहू का हुआ तबादला

इंदौर। एमपी हाईकोर्ट द्वारा इंदौर में पदस्थ अपर सत्र न्यायाधीश अनिलकुमार साहू का तबादला सागर किया गया है। एक अन्य सूचना के अनुसार जस्टिस संजीव एस. कलगावकर के आज एवं कल और जस्टिस प्रेमनारायण सिंह के आज उपलब्ध नहीं होने से हाईकोर्ट में इनकी सिंगल बेंच निरस्त रहेगी।

लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन पर वाटर फिलिंग का काम जल्द होगा शुरू

● इंदौर।

रतलाम रेल मंडल ने इंदौर के लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के कोचों में वाटर फिलिंग का काम शुरू करने की तैयारी है। सात-आठ महीने पहले इस महत्वपूर्ण काम

दो और तीन नंबर से होगी शुरुआत

के टेंडर बुलाए गए थे, लेकिन काम शुरू हो नहीं पाया, क्योंकि लक्ष्मीबाई नगर में स्टेशन रीडेवलपमेंट और नए प्लेटफॉर्म बनाने का काम हो रहा है।

यह सुविधा इसलिए जरूरी है, क्योंकि जल्द ही इंदौर स्टेशन के रीडेवलपमेंट का काम शुरू करने की तैयारी है। काम के कारण तीन-साढ़े तीन साल तक कुछ ट्रेनों को इंदौर के मुख्य स्टेशन के बजाय लक्ष्मीबाई नगर से चलाने की तैयारी है। तब ट्रेनों के कोचों में पानी भरने की सुविधा लक्ष्मीबाई नगर से करना होगी। अभी यह सुविधा वहां है नहीं, इसलिए लक्ष्मीबाई नगर-योगनगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस के रैक को पानी भरने के लिए इंदौर स्टेशन तक लाना पड़ता है। लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन पर वाटर फिलिंग की सुविधा मिलने से ट्रेनों को इंदौर स्टेशन तक लाने-ले जाने की झंझट नहीं करना होगी। इससे मेन लाइन पर दबाव नहीं बढ़ेगा। माना जा रहा है कि सबसे पहले प्लेटफॉर्म-दो और तीन पर काम होगा।

ड्राइंग-डिजाइन फाइनल हो रही है

रतलाम रेल मंडल के प्रबंधक (डीआरएम) रजनीश कुमार ने अग्निबाण को बताया कि लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन पर वाटर फिलिंग का काम जल्द शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए ड्राइंग-डिजाइन फाइनल की जा रही है। जनवरी से प्लेटफॉर्म की पटरियों के आसपास पाइप बिछाने का काम शुरू हो जाएगा।

महू-यशवंतपुर एक्सप्रेस के येलहंका ठहराव का बदलेगा समय

इंदौर। महू-इंदौर-यशवंतपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस का येलहंका रेलवे स्टेशन पर ठहराव का समय 5 जनवरी से बदला जाएगा। दक्षिण रेलवे ने 1 जनवरी से लागू होने वाली नई समय-सारणी में इस बदलाव को शामिल किया है। वर्तमान में यह ट्रेन सुबह 10.04 बजे येलहंका पहुंचकर 10.05 बजे गंतव्य की ओर रवाना होती है, लेकिन 5 जनवरी से यह ट्रेन सुबह 10.08 बजे येलहंका पहुंचकर 10.10 बजे यशवंतपुर के लिए रवाना होगी।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

“डिजिटल युग में सुरक्षा और जागरूकता साइबर अपराध से बचाव की पहल”

आज की दुनिया और चुनौतीः

डिजिटल युग ने हमारे जीवन को सरल और सुलभ बना दिया है। लेन-देन से लेकर व्यापार, शिक्षा और मनोरंजन तक, सब कुछ अब केवल एक क्लिक की दूरी पर है। लेकिन इसके साथ ही साइबर अपराध जैसी चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। QR कोड स्कैम, फ़िशिंग, फेक कॉल्स, और बैंकिंग ठगी जैसी घटनाएं तेजी से आम हो रही हैं। हाल ही में एक मामला सामने आया जिसमें एक QR कोड स्कैन करने के बाद व्यक्ति के खाते से पैसे कट गए और साइबर सेल ने खाते को फ्रीज कर दिया।

सवाल यह उठता है कि ऐसी

घटनाओं से बचाव कैसे किया जाए? इस चुनौती का सामना करने के लिए सरकार, साइबर सेल और आम जनता को मिलकर प्रयास करना होगा।

जागरूकता ही है सबसे बड़ा हथियार

साइबर अपराधों के खिलाफ पहला और सबसे बड़ा कदम है जागरूकता। लोग अक्सर

यह नहीं जानते कि QR कोड केवल स्कैन करने से पैसे कट सकते हैं। डिजिटल लेन-देन करते समय यह समझना जरूरी है कि अपनी निजी जानकारी, बैंक डिटेल और OTP किसी के साथ साझा न करें। सरकार और साइबर सेल को स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाने चाहिए। टीवी, रेडियो और सोशल मीडिया पर लगातार जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए ताकि लोग सतर्क रहें।

साइबर सेल और क्राइम ब्रांच की भूमिका

साइबर अपराधों की रोकथाम में साइबर सेल और क्राइम ब्रांच की भूमिका अहम है। वर्तमान में, भारत में cybercrime.gov.in जैसे पोर्टल पर लोग शिकायत दर्ज कर सकते हैं। लेकिन यह प्रक्रिया अभी भी ग्रामीण और कम शिक्षित लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शिकायत दर्ज करने और समस्या का समाधान करने की प्रक्रिया सरल और सुलभ हो।

साइबर अपराध को रोकने के लिए सख्त कानून

भारत में आईटी अधिनियम, 2000 के तहत साइबर अपराधों पर कार्रवाई होती है। लेकिन इन कानूनों को और सख्त बनाया जाना चाहिए। अपराधियों को त्वरित और कड़ी सजा दिलाने से अपराध दर में कमी आएगी।

आम जनता की जिम्मेदारी

हर व्यक्ति को अपनी डिजिटल सुरक्षा की जिम्मेदारी समझनी होगी।

1. अनजान कॉल्स और संदेशों से बचें।
2. अनधिकृत वेबसाइट या ऐप्स का उपयोग न करें।
3. नियमित रूप से अपने बैंक खातों की जांच करें।

आशा और समाधान

अगर सरकार, साइबर सेल, और जनता मिलकर काम करें, तो साइबर अपराध पर प्रभावी रूप से रोक लगाई जा सकती है। डिजिटल युग हमारे लिए एक वरदान बन सकता है, लेकिन इसके लिए सतर्कता और सुरक्षा बेहद जरूरी है।

आपका संपादक, गोपाल गावंड
(रणजीत टाइम्स)

इंदौर में सरकारी आवासों का वैसे भी टोटा, अधिकारियों की आवास समस्या होगी हल
और बदले में 20 करोड़ रुपए की राशि का भी हो जाएगा समायोजन

100 अनबिके फ्लैटों को सरकारी जमीनों के बदले शासन को सौंपेगा प्राधिकरण

● इंदौर।

प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं में निजी के साथ सरकारी जमीनें भी शामिल रहती है, जिनके बदले प्राधिकरण सरकारी इमारतों के निर्माण सहित अन्य समायोजन करता रहा है। अभी प्राधिकरण की कई योजनाओं में जो बहुमंजिला इमारतें बनाई उनमें बड़ी संख्या में अनबिके फ्लैट पड़े हैं। लिहाजा ऐसे 100 फ्लैटों का आवंटन शासन को किया जाएगा, ताकि इन फ्लैटों का इस्तेमाल सरकारी अधिकारियों-कर्मचारियों की आवास समस्या के निराकरण में किया जाएगा, क्योंकि इंदौर में सरकारी आवासों का बहुत टोटा है और कई अधिकारी तबादला होने के बावजूद सरकारी आवास आसानी से खाली नहीं करते और महीनों-सालों तक कब्जा जमाए रहते हैं, जिसके चलते तबादला होकर आने वाले अधिकारियों को आवास नहीं मिलते और उन्हें किराए के मकानों में रहना पड़ता है।

पिछली प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में इस आशय का प्रस्ताव रखा गया, जिसमें सरकारी जमीन के एवं में प्राधिकरण द्वारा निर्मित फ्लैट्स शासन को देने पर सहमति बनी और बोर्ड ने भी इसे मंजूर कर लिया। प्राधिकरण की बनाई बहुमंजिला इमारत हरसिंगार कॉम्प्लेक्स में 20 फ्लैट खाली पड़े हैं, जिनका मूल्य साढ़े 7 करोड़ रुपए से अधिक कलेक्टर गाइडलाइन के मान से आंका गया है। इसके अलावा अमलतास कॉम्प्लेक्स में 70 फ्लैट खाली पड़े हैं, जिनकी कीमत 10 करोड़ 78 लाख रुपए से अधिक है। इसी तरह एक और गुलमोहर कॉम्प्लेक्स में भी 10 खाली फ्लैट शासन को सौंपे जाएंगे, जिनकी कीमत 1 करोड़ 46 लाख से अधिक आंकी गई है। इस तरह इन तीन बहुमंजिला इमारतों के 100 अनबिके फ्लैटों को शासन को दिया जाएगा और इसके बदले प्राधिकरण लगभग 20 करोड़ रुपए की राशि का समायोजन सरकारी जमीनों के एवज में करेगा। प्राधिकरण का कहना है कि एक तरफ ये फ्लैट नहीं बिके, जिसके चलते उनका रख-रखाव भी महंगा पड़ रहा है। दूसरी तरफ सरकारी आवासों का इंदौर में अत्यधिक टोटा है। दरअसल, इंदौर महानगर की श्रेणी में आने और पुलिस कमिश्नरी लागू होने के बाद बड़ी संख्या में अधिकारियों और कर्मचारियों की पदस्थापना होती है, जिसके चलते राजस्व विभाग के पास उपलब्ध अधिकांश सरकारी आवास जीर्ण-शीर्ण और पुराने हो चुके हैं, जिनमें निवास संभव नहीं है। दूसरी तरफ प्राधिकरण द्वारा बनवाए गए ये फ्लैट सुविधाजनक और बेहतर हैं, जिसके चलते जिन अधिकारियों-कर्मचारियों को सरकारी मकान आवंटित नहीं हो पाता वे इन फ्लैटों का इस्तेमाल कर सकेंगे। वैसे भी प्राधिकरण पूर्व में भी सरकारी जमीनों के बदले शासन को अलग-अलग प्रोजेक्टों में राशि खर्च करता रहा है। कुछ वर्ष पूर्व नए कलेक्ट्रेट भवन का निर्माण भी प्राधिकरण ने इसी मद में किया था, जिस पर 50 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की गई और इसका भी समायोजन सरकारी जमीनों के बदले किया गया। इसी तरह अन्य प्रोजेक्ट भी प्राधिकरण द्वारा अमल में लाए जाते रहे हैं। प्राधिकरण द्वारा जो फ्लेट शासन को आवंटित किए जा रहे हैं वे दो और तीन बेडरूम के ही हैं और प्राधिकरण को प्राप्त होने वाली सरकारी जमीनों की गणना और फ्लेट्स के मूल्य की गणना कलेक्टर गाइडलाइन के समतुल्य ही रखी गई है। बोर्ड द्वारा लिए गए इस निर्णय को अब शासन की मंजूरी के लिए भेजा गया है। दरअसल, प्राधिकरण द्वारा बनाए गए कई फ्लेट तो बिक गए मगर अमलतास कॉम्प्लेक्स के फ्लैटों को बेचने में उसे सफलता नहीं मिली।

आज से अप्रवासी भारतीय सम्मेलन क्रिकेट मैच के साथ सांस्कृतिक आयोजनों का लेंगे विदेशी मेहमान लुत्फ

● इंदौर।

आज से तीसरा प्रवासी भारतीय सम्मेलन इंदौर में आयोजित हो रहा है। इस दो दिवसीय आयोजन में कई देशों के एनआरआई शामिल होंगे, जो कल क्रिकेट मैच भी खेलेंगे और सांस्कृतिक आयोजनों के साथ इंदौरी व्यंजनों का लुत्फ भी लेंगे। दो साल पहले महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इंदौरी एनआरआई फोरम की स्थापना कर उसकी वार्षिक मीट शुरू करवाई थी, जिसके चलते यह तीसरा आयोजन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया है। कई विदेशी मेहमान इंदौर पहुंच भी गए हैं। 42 से अधिक देशों के एनआरआई इस फोरम से जुड़े हैं, जो इंदौर के विकास में भी अपना योगदान देते रहे हैं।

महापौर भार्गव ने बताया कि इस साल यह तीसरी वार्षिक मीट है, जो 16 -17 दिसंबर को दो दिन के उत्सव के रूप में मनाई जाएगी, जिसमें व्यापार, संस्कृति और वैश्विक सहयोग के अवसर होंगे। यह दो दिवसीय उत्सव फोरम की सालभर की उपलब्धियों को भी प्रदर्शित करेगा, जिसमें निवेश के अवसरों को बढ़ावा देने से लेकर एनआरआई को इंदौर की परंपराओं और मूल्यों से जोड़ने वाले आयोजनों का समावेश होगा। इंदौरी एनआरआई फोरम ने इंदौर और उसके वैश्विक समुदाय के बीच एक मजबूत पुल का काम किया है, जो एनआरआई को पूरे वर्ष अपनी जड़ों से जुड़ा रखता है। मकर संक्रांति के दौरान, फोरम ने पतंगबाजी उत्सव आयोजित किया, जिससे एनआरआई को अपने घर की यादें ताजा हो गईं। रंगपंचमी के दौरान, एनआरआई को इंदौर के प्रसिद्ध . गेर जुलूस में शामिल होने का अनूठा अवसर मिला, जिसमें उनके आराम और सुरक्षा के लिए विशेष ट्रक का इंतजाम किया गया। फोरम पर्यावरणीय पहलों में भी सक्रिय है। इंदौर के रिकॉर्ड ब्रेकिंग वृक्षारोपण अभियान में एनआरआई ने बढ़- चढ़कर भाग लिया और इस ऐतिहासिक घटना में अपनी भागीदारी दी। इस साल के व्यापार मीट का मुख्य उद्देश्य भारत में निवेश के अवसरों को प्रदर्शित करना है और यह दिखाना है कि एनआरआई देश के विकास में कैसे सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं। चर्चा में एनआरआई द्वारा उनके निवास देशों में देखी गई श्रेष्ठ प्रथाओं को साझा किया जाएगा, और यह बताया जाएगा कि इन प्रथाओं को इंदौर के विकास में कैसे लागू किया जा सकता है। इंदौर के प्रमुख व्यक्तित्व और प्रभावशाली एनआरआई एक पैनल चर्चा में विचार साझा करेंगे।

वर्कशाप के बाहर निगम की अटाला गाड़ियां सड़क पर खड़ी

● इंदौर।

एक तरफ नगर निगम के वर्कशॉप ने पिछले दिनों जुगाड़ तकनीक का इस्तेमाल करते हुए वायु प्रदूषण घटाने के लिए मोबाइल वैन बनाई, तो खजराना और रीगल चौराहा पर पानी की बौछार करने वाली मशाल भी तैयार की। दूसरी तरफ उसकी अटाला गाड़ियां वर्कशॉप के बाहर ही पड़े-पड़े सड़ रही है। हालांकि निगम पूर्व में इस तरह के अटाला वाहनों की नीलामी भी करता रहा है। फिलहाल बड़ी संख्या में निगम मुख्यालय पर ही वर्कशॉप के बाहर ये अटाला गाडियां सड़क पर खड़ी देखी जा सकती है, जिनमें धीरे-धीरे टायर-ट्यूब से लेकर कई कलपुर्जे भी गायब हो जाएंगे। इनमें निगम के ही कचरा वाहन और अन्य वे गाडियां शामिल हैं जो बीते कई दिनों से निगम के अभियान में काम नहीं आ रही है और जिन्हें जर्जर घोषित कर दिया और ये सुधर भी नहीं सकती, इसीलिए अटाले की तरह खड़ी कर रखी है।

साढ़े 5 किलोमीटर पर पैसेंजर रन के लिए अब रोजाना होगी कार्य की समीक्षा

अब तक 30 कोच इंदौर मेट्रो डिपो पहुंच गए

स्टेशन सहित आईएसबीटी फुट ओवरब्रिज की ओर बन रहे एंट्री और एग्जिट गेट का कार्य भी जल्द होगा पूरा

● इंदौर।

मेट्रो प्रोजेक्ट में अभी गांधी नगर स्टेशन से मालवीय नगर चौराहा, रेडिसन और रोबोट तक एलिवेटेड कॉरिडोर का काम चल रहा है। वहीं अगले साल साढ़े 5 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर पेसेंजर रन भी शुरू किया जाना है। अभी तक इंदौर मेट्रो डिपो पर 30 कोच पहुंच चुके हैं, जिनमें 3-3 डिब्बे लगे हैं। अभी दो दिन पहले मेट्रो कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक एस. कृष्ण चैतन्य ने सभी स्टेक होल्डर्स और प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के साथ चल रहे निर्माण कार्यों का मैदानी अवलोकन किया और तय समय सीमा में बचे कार्यों को पूरा करने के लिए रोजाना ही रिपोर्ट देने के निर्देश भी दिए।

प्रबंध संचालक ने गांधी नगर डिपो से स्थल निरीक्षण कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए प्रबंध संचालक ने प्रशासनिक भवन में चल रहे अंतिम चरण के निर्माण कार्य तथा सिस्टम वर्क का अवलोकन किया तथा शेष बचे कार्यों को पूरी विशिष्टता के साथ पूरा करने के निर्देश दिये । प्रबंध संचालक ने प्रशासनिक भवन के ओ सी सी भवन , कॉन्फ्रेंस हॉल तथा अन्य महत्वपूर्ण संरचनाओं की प्रगति देखी । प्रशासनिक भवन के विविध इकाइयों का निरीक्षण करते हुए प्रबंध संचालक ने मेट्रो संचालन के लिए अलग - अलग टीम के विशिष्ट कार्य स्थलों तथा अत्याधुनिक तकनीक युक्त ईक्विपमेंट की भी जानकारी ली। ततपश्चात प्रबंध संचालक ने वरीय अधिकारियों से रोलिंग स्टॉक से संबन्धित रिपेयर बे, इन्सपैक्शन बे आदि के संबन्ध में भी अध्यतन जानकारी ली । इंदौर मेट्रो प्रायोरिटी कॉरिडोर के निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण करते हुए प्रबंध संचालक ने सिविल, सिस्टम, रोलिंग स्टॉक, ट्रेफिक, सिग्नल्लिंग आदि प्रमुख अवयवों का मुआयना किया । उन्होने निर्माण कार्य के सूक्ष्म पहलुओं का ऑन स्पॉट मुआयना करते हुए सबसे पहले शुरू होने वाले प्रस्तावित मार्ग (गांधी नगर से एस सी -3 स्टेशन) को सीएमआरएस के मानकों के अनुसार तैयार करने का निर्देश दिया। मेट्रो प्रोजेक्ट निर्माण के लिए समय की प्रतिबद्धता दोहराते हुए प्रबंध संचालक ने सभी स्टाक होल्डर्स को पहली कड़ी मे शुरू होने वाले गांधी नगर से एससी -3 स्टेशन तक के सूक्ष्म निर्माण पहलुओं को पूरा कर सीएमआरएस विजिट की तैयारी करने के निर्देश दिये, साथ ही एससी -3 स्टेशन से मालवीय नगर स्टेशन के सिविल तथा सिस्टम दोनों प्रकार के निर्माण कार्ये को भी ससमय पूरा करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक एवं निरीक्षण में वरिष्ठ अधिकारीगण अजय गुप्ता, निदेशक प्रोजेक्ट्स, रणवीर सिंह राजपूत महाप्रबंधक सिविल एलिवेटेड) व अन्य मौजूद रहे।

संगठन के चुनावों से लेकर सदस्यता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने वालों को मिल सकते है पद, मुख्यमंत्री ने भी नियुक्तियों के दिए संकेत, लम्बे समय से खाली पड़े हैं तमाम पद

निगम, मंडल, प्राधिकरणों में अब फिर से राजनीतिक नियुक्तियों की सुगबुगाहट शुरू

● इंदौर।

पिछले विधानसभा चुनाव से पहले ही निगम मंडल और प्राधिकरणों में नियुक्तियों के लिए सभी नेता और कार्यकर्ता सक्रिय हुए। मगर उन्हें चुनाव में कार्य करने और बेहतर परिणाम दिखाने का लालच दिया गया और विधानसभा चुनाव में भी भाजपा को जोरदार सफलता मिली और सरकार बन गई। उसके बाद फिर लोकसभा चुनाव का हल्ला शुरू हो गया और यह कहा जाने लगा कि इसके परिणामों के बाद ये राजनीतिक नियुक्तियां की जाएगी। मगर ये चुनाव निपटे भी 6 महीने हो गए। इसी बीच संगठन के चुनाव और सदस्यता अभियान भी सम्पन्न हो गया।

वैसे तो भाजपा में एक अनार सौ बीमार वाली स्थिति है, क्योंकि बड़ी संख्या में कांग्रेसियों को भी शामिल कर लिया, जिसके चलते मंत्रिमंडल सहित निगम मंडल, प्राधिकरणों में भी उनको हिस्सेदारी देना पड़ी और असल भाजपा के नेता और कार्यकर्ता मुंह ताकते ही रह गए। यही स्थिति चुनावों में भी हुई। कई भाजपा नेताओं के टिकट इसी कारण कट गए, क्योंकि उनके बदले कांग्रेस से भाजपा में आए नेताओं को टिकट मिल गई। दूसरी तरफ भाजपा सत्ता और संगठन लगातार इन नेताओं और कार्यकर्ताओं को लालीपॉप थमाता रहा कि फलां चुनाव या अभियान निपट जाए, उसके बाद राजनीतिक नियुक्तियां की जाएगी। अब प्रदेश की मोहन सरकार को भी एक साल पूरा हो गया है और पिछले दिनों मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इस बात के संकेत दिए कि जल्द ही निगम मंडल, प्राधिकरण और आयोगों में राजनीतिक नियुक्तियां हो सकती है, जिसके चलते भाजपा गलियारे में फिर से इन नियुक्तियों की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। आज से हालांकि विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है, जो इसी हफ्ते निपट भी जाएगा। उसके बाद इन नियुक्तियों को लेकर फिर हलचल शुरू होगी। इंदौर में ही विकास प्राधिकरण में अध्यक्ष का पद खाली पड़ा है, जिस पर अभई संभागायुक्त की नियुक्ति है, तो इसी तरह अधिकांश निगम मंडल और अन्य शहरों के प्राधिकरणों में भी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित संचालक मंडल की नियुक्तियां होना है, तो कई आयोगों में भी पद खाली पड़े हैं। हालांकि हाउसिंग बोर्ड जैसे कई निगम मंडलों में मंत्रियों को भी उसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। मगर अब फिर से संगठन में मांग उठने लगी कि जल्द ही ये नियुक्तियां की जाएं,क्योंकि कब तक नेता और कार्यकर्ता इंतजार करेंगे। अब सभी चुनाव और सारे अभियान भी निपट गए हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि पिछले दिनों जो संगठनात्मक चुनाव हुए और उसके बाद सदस्यता अभियान चलाया गया उसमें जिन नेताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई और बेहतर परिणाम दिए उन्हें नियुक्तियों में अवसर मिल सकता है। हालांकि भाजपा में चूंकि संघ सहित अन्य सहयोगी संगठनों की भी भूमिका महत्वपूर्ण रहती है, लिहाजा भोपाल से लेकर दिल्ली तक इन नियुक्तियों के लिए प्रयास किए जाते हैं। अब देखना यह है कि इस बार भी ये राजनीतिक नियुक्तियां हो पाती है या फिर नेताओं-कार्यकर्ताओं को इंतजार करना पड़ेगा। फिलहाल तो सभी अपने-अपने आकाओं के चक्कर नियुक्तियों के लिए लगा भी रहे हैं।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि...

उस्ताद जाकिर हुसैन

आप-सा ना कोई हुआ और ना होगा

उस्तादजी आप-सा ना कोई हुआ और ना होगा। आपने पूरे विश्व में भारतीय संगीत को लोकप्रियता दिलाई और उसकी समृद्ध विरासत के साथ भव्य वर्तमान से परिचित कराया। आपने तबले की प्रतिष्ठा में श्रीवृद्धि की। युवा पीढ़ी सदा आपकी ऋणी रहेगी, आप अनंत काल तक सुने जाते रहेंगे और प्रेरक शिक्षक बने रहेंगे। एक इंसान के रूप में आपका निराभिमानी समावेशी स्वभाव, बड़प्पन, सहज चमत्कृत करने वाली शैली सदा दिलों में बसी रहेगी। अल्लाह ताला निश्चय ही जन्नत में आपको आला मुक़ाम अता फ़रमाएँगे। ओ जाने वाले हो सके तो लौट के आना .... विश्व विख्यात तबला वादक और पद्म विभूषण उस्ताद जाकिर हुसैन का निधन हो गया है। सेन फ्रांसिसको में उनका इलाज चल रहा था। वहीं उन्होंने आखिरी सांस ली। उनका जन्म 9 मार्च 1951 को मुंबई में हुआ था। उस्ताद जाकिर हुसैन को 1988 में पद्म श्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से नवाजा गया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड़, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)